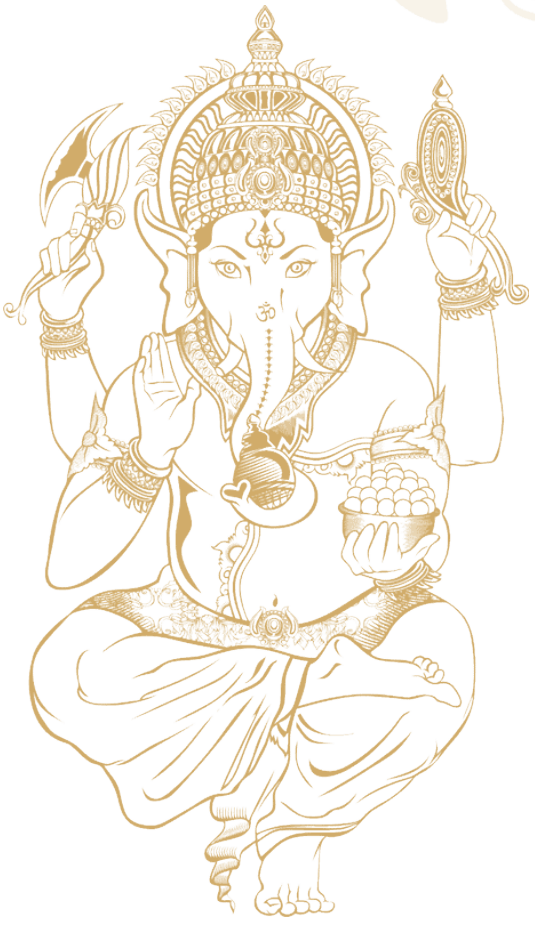

# Jay Jhawar

# Sheetal Mundhra

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121865401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121865401 Date: 08/04/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 14/10/2002 | जन्म तिथि | 29/05/2002 |
| सोमवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 10:20:00 | जन्म समय | 14:30:00 घंटे |
| घटी 09:37:16 | जन्म समय(घटी) | 21:27:06 घटी |
| India | देश | India |
| Nasik | स्थान | Nokha |
| 20:00:00 उत्तर | अक्षांश | 27:35:00 उत्तर |
| 73:52:00 पूर्व | रेखांश | 73:29:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:34:32 | स्थानिक संस्कार | -00:36:04 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:29:05 | सूर्योदय | 05:41:48 |
| 18:11:58 | सूर्यास्त | 19:25:18 |
| 23:53:28 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:53:09 |

| | | |
|---|---|---|
| वृश्चिक | लग्न | कन्या |
| मंगल | लग्न लग्नाधिपति | बुध |
| मकर | राशि | धनु |
| शनि | राशि-स्वामी | गुरु |
| उत्तराषाढ़ा | नक्षत्र | पूर्वाषाढ़ा |
| सूर्य | नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| 4 | चरण | 3 |
| धृति | योग | शुभ |
| बालव | करण | बव |
| जी-जीवन | जन्म नामाक्षर | फा-फाल्गुनी |
| तुला | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |
| वैश्य | वर्ण | क्षत्रिय |
| जलचर | वश्य | मानव |
| नकुल | योनि | वानर |
| मनुष्य | गण | मनुष्य |
| अन्त्य | नाड़ी | मध्य |
| सिंह | वर्ग | मूषक |

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 0वर्ष 9मा 21दि | | 18:00:04 | वृश्चि | लग्न | कन्या | 10:44:05 | शुक्र 8वर्ष 11मा 28दि | |
| राहु | | 26:46:56 | कन्या | सूर्य | वृष | 13:56:17 | चन्द्र | |
| 04/08/2020 | | 08:12:16 | मक | चंद्र | धनु | 20:40:16 | 26/05/2017 | |
| 05/08/2038 | | 05:07:52 | कन्या | मंगल | मिथु | 06:41:54 | 27/05/2027 | |
| राहु | 17/04/2023 | 08:50:27 | कन्या | बुध व | वृष | 10:46:42 | चन्द्र | 27/03/2018 |
| गुरु | 10/09/2025 | 20:16:34 | कर्क | गुरु | मिथु | 22:09:50 | मंगल | 26/10/2018 |
| शनि | 17/07/2028 | 21:29:04 | तुला व | शुक्र | मिथु | 16:38:49 | राहु | 26/04/2020 |
| बुध | 03/02/2031 | 05:11:15 | मिथु व | शनि | वृष | 23:07:50 | गुरु | 26/08/2021 |
| केतु | 22/02/2032 | 16:10:01 | वृष व | राहु | वृष | 23:56:58 | शनि | 27/03/2023 |
| शुक्र | 22/02/2035 | 16:10:01 | वृश्चि व | केतु | वृश्चि | 23:56:58 | बुध | 26/08/2024 |
| सूर्य | 16/01/2036 | 01:12:00 | कुंभ व | हर्ष | कुंभ | 04:56:27 | केतु | 27/03/2025 |
| चन्द्र | 17/07/2037 | 14:18:54 | मक व | नेप व | मक | 17:01:40 | शुक्र | 25/11/2026 |
| मंगल | 05/08/2038 | 21:38:42 | वृश्चि | प्लूटो व | वृश्चि | 22:37:33 | सूर्य | 27/05/2027 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:53:28  चित्रपक्षीय अयनांश  23:53:09**

## लग्न-चलित

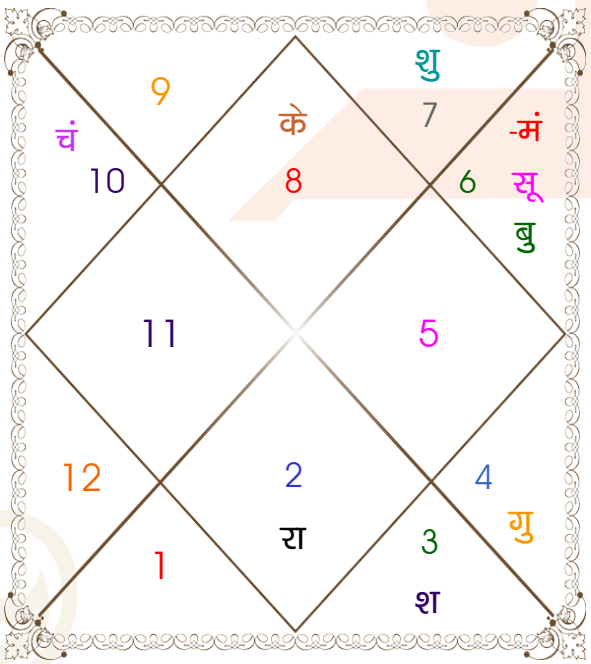


## लग्न-चलित

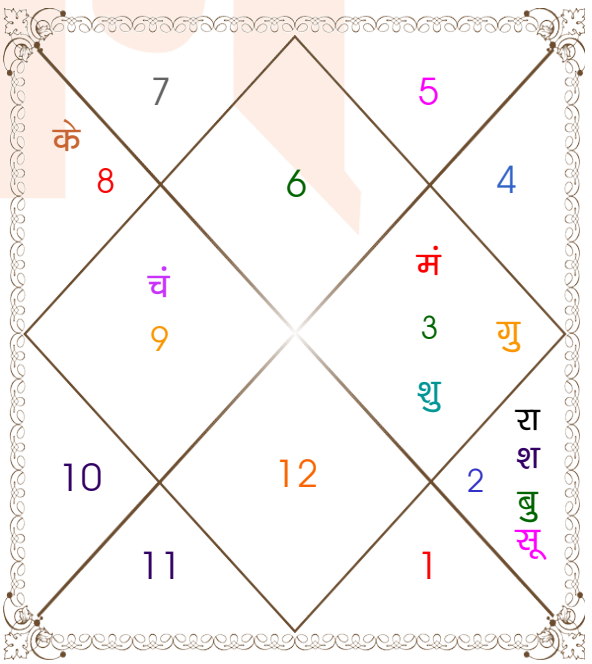



**Acharya Gurudutt Jyotish Kendra**
Palwal - Haryana - 121102
Website - www.acharyagurudutt.com
8920093498
contact.gurudutt@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | क्षत्रिय | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | चतुष्पाद | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | सम्पत | अतिमित्र | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | नकुल | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शनि | गुरु | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | मनुष्य | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मकर | धनु | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 24.00 | | |

कुल : **24 / 36**

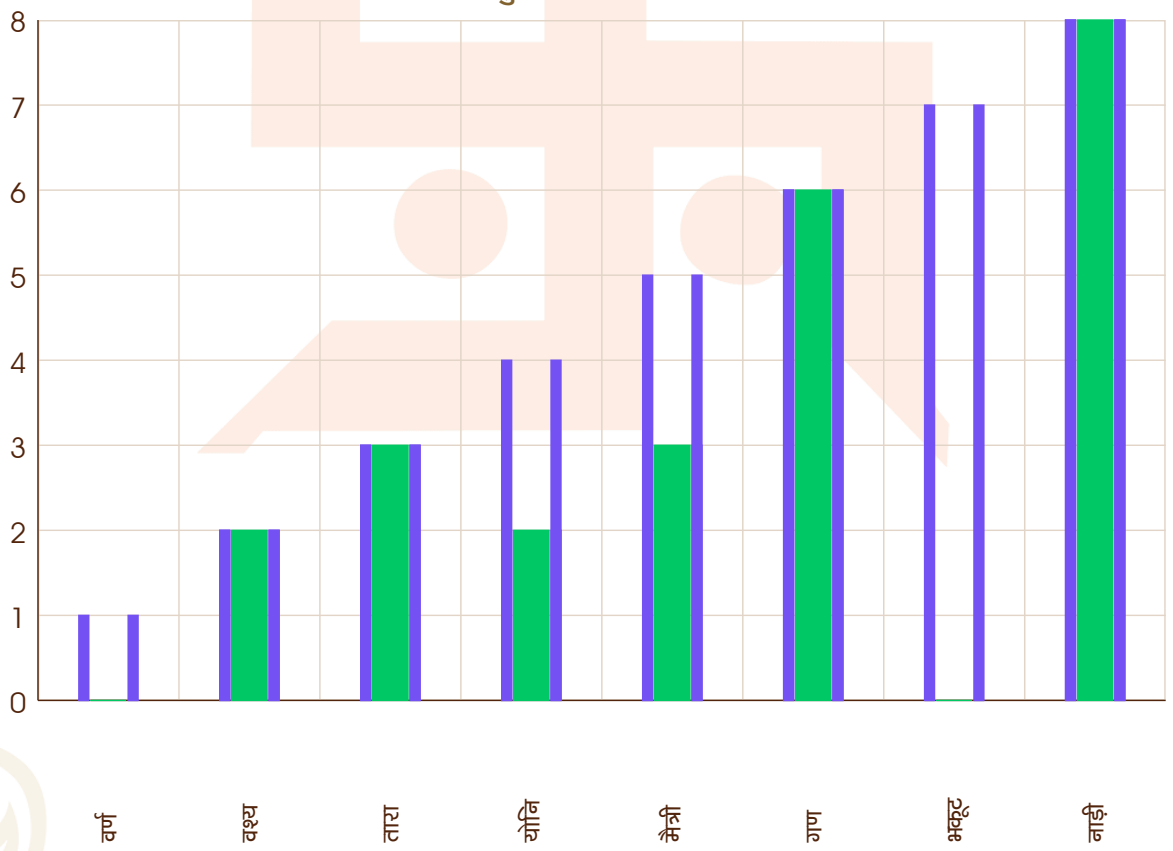


**Acharya Gurudutt Jyotish Kendra**
Palwal - Haryana - 121102
Website - www.acharyagurudutt.com
8920093498
contact.gurudutt@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Jay Jhawar का वर्ग सिंह है तथा Sheetal Mundhra का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

Jay Jhawar मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Sheetal Mundhra मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Jay Jhawar तथा Sheetal Mundhra में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

Jay Jhawar का वर्ण वैश्य है तथा Sheetal Mundhra का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Sheetal Mundhra का वर्ण Jay Jhawar के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Sheetal Mundhra अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Sheetal Mundhra को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

## वश्य

Jay Jhawar का वश्य चतुष्पद है एवं Sheetal Mundhra का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

## तारा

Jay Jhawar की तारा सम्पत तथा Sheetal Mundhra की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Sheetal Mundhra एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

## योनि

Jay Jhawar की योनि नकुल है तथा Sheetal Mundhra की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Jay Jhawar एवं Sheetal Mundhra दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

## गण

Jay Jhawar का गण मनुष्य तथा Sheetal Mundhra का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

## भकूट

Jay Jhawar से Sheetal Mundhra की राशि द्वादश भाव में स्थित है Sheetal Mundhra से Jay Jhawar की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Jay Jhawar परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Sheetal Mundhra का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Sheetal Mundhra की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Sheetal Mundhra तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

## नाड़ी

Jay Jhawar की नाड़ी अन्त्य है तथा Sheetal Mundhra की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। अन्त्य एवं मध्य नाड़ी दो महत्वपूर्ण जीवनी शक्तियों पित्त एवं कफ की कारक हैं। जिसके कारण दम्पत्ति का परस्पर प्रेम, अनुकूलता, अच्छा भविष्य, सहयोग की भावना बनी रहेगी। आपकी संतान शक्तिशाली, बुद्धिमान, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

Jay Jhawar की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Sheetal Mundhra की राशि अग्नितत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसिर्गक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Jay Jhawar की राशि का स्वामी शनि तथा Sheetal Mundhra की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः Jay Jhawar और Sheetal Mundhra दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

Jay Jhawar और Sheetal Mundhra की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदि Jay Jhawar और Sheetal Mundhra बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

Jay Jhawar और Sheetal Mundhra दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

Jay Jhawar का वर्ण वैश्य तथा Sheetal Mundhra का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Jay Jhawar की प्रवृति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Sheetal Mundhra प्रायः परिश्रमी कार्यो को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

## धन

Jay Jhawar की तारा सम्पत तथा Sheetal Mundhra की तारा अतिमित्र है। ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती हैं। अतः इसके प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पति को अर्जित करने में समर्थ होंगे। Jay Jhawar और Sheetal Mundhra की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। लेकिन

मंगल भी आर्थिक स्थिति से इनको सम्पन्न करेगा जिससे भकूट दोष का प्रभाव न्यून होगा तथा उनका जीवन धनऐश्वर्य से सम्पन्न होकर सुख पूर्वक व्यतीत होगा एवं भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में भी वे समर्थ रहेंगे।

भकूट दोष के कारण Jay Jhawar की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी लेकिन तारा के शुभ प्रभाव से इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं होगा तथा धन की भी कमी नहीं आएगी जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

## स्वास्थ्य

Jay Jhawar की नाड़ी अन्त्य तथा Sheetal Mundhra की नाड़ी मध्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को परिश्रम एवं पराक्रम से सिद्ध करने में समर्थ होंगे। साथ ही मंगल भी इन दोनों के लिए शुभ ही रहेगा तथा इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। अतः इनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इस प्रकार उत्तम वैवाहिक जीवन के लिए यह मिलान श्रेष्ठ रहेगा।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Jay Jhawar और Sheetal Mundhra के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sheetal Mundhra के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sheetal Mundhra को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sheetal Mundhra को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Jay Jhawar और Sheetal Mundhra सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Jay Jhawar और Sheetal Mundhra का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Sheetal Mundhra के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Sheetal Mundhra धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Sheetal Mundhra के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Sheetal Mundhra का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Sheetal Mundhra से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

## ससुराल-श्री

Jay Jhawar की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Jay Jhawar सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Jay Jhawar ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Jay Jhawar के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।